S–4098

Total Page No. : 3] [Roll No. .....

M.A. IVth Semester Examination, 2023–24

(समूह क साहित्य)

संस्कृत

Paper : II

(नाट्य एवं नाट्यशास्त्र)

Time : 2 : 30 Hours] [**Max. Marks :** 80

नोट :- इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। खण्ड 'अ' तथा खण्ड 'ब' प्रत्येक से किन्हीं **चार-चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के उत्तर दी गयी उत्तर-पुस्तिका में ही दीजिए। अतिरिक्त उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जाएगी।

खण्ड–अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न) **4×5=20**

1. नाटक को परिभाषित करते हुए ''भृच्छकटिकम्'' शब्द को स्पष्ट कीजिए।

2. दशरूपककार के अनुसार–

''अन्यद्भावाश्रयं नृत्यम् नृत्तं ताललया श्रयम्''

को समझाइए।

3. दशरूपककार के अनुसार ''अर्थ प्रकृति'' को समझाइए।

4. विदूषक क्या होता है ? स्पष्ट करते हुए मृच्छकटिकम् नाटक के विदूषक के विषय में संक्षेप टिप्पणी लिखिए।

5. दशरूपक में वर्णित ''कार्यवस्था'' पर प्रकाश डालिए।

6. दशरूपककार के अनुसार पञ्च सन्धि क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

7. मृच्छकटिकम् नाटक के स्त्री पात्रों में ''भदनिका'' के चरित्र-चित्रण पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए–

पातु वो नीलकण्ठस्य कण्ठः श्यामाम्बुदोपमः।

गौरीभुजलता यत्र विधुल्लेखव राजते॥

खण्ड–ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) **4×15=60**

9. मृच्छकटिकम् नाटक के मुख्य पात्रों में ''चारुदत्त'' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

10. निम्न श्लोक की ससन्दर्भ विस्तृत व्याख्या कीजिए–

''नमस्तस्मै गणेशाय यत्कण्ठः पुष्करायते।

भदाभोगघनध्वानो नीलकण्ठस्य ताण्डवे॥

11. दशरूपक में प्रतिपादित कारिक–

''वस्तु नेता रसस्तेषां भेदकः'' को विस्तार से समझाइए।

12. निम्न श्लोक की विस्तृत व्याख्या कीजिए–

''समख्यसनी प्रमादशून्यः ककुदो वेदविदां तपोधनश्च।

परवारणबाहु युद्ध लुब्धः क्षितिपालः किल शूद्रको बभूव''॥

13. मृच्छकटिकम् नाटक के लेखक का जीवन परिचय लिखिए।

14. दशरूपक के द्वितीय प्रकाश में वर्णित ''नायक के स्वरूप को भेदोपभेद'' सहित प्रतिपादित कीजिए।

15. निम्नलिखित श्लोक की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए–

मम मदनमनङ्ग मन्मघं वर्धयन्ती

निशि च शयनके मम निद्रामाक्षिपन्ती।

प्रसरसि भयभीता प्रस्खलन्ती स्खलन्ती

मम वशमनुयाता रावणस्येव कुन्ती॥

16. मृच्छकटिकम् नाटक के प्रथम अंक की कथावस्तु को लिखिए।

****